आजादी का अमृत महोत्सव

आजीविका सृजन में वनोत्पाद/लाह की भूमिका

दिनांक : 15.12.2021

स्थल : सिरका, रामगढ़

वन उत्पादकता संस्थान, रांची

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

भारत सरकार का महत्वाकांक्षी कार्यक्रम आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के निर्देश पर वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा दिनांक 15.12.2021 को रामगढ़ के सिरका ग्राम में दिव्यांग नि:शक्त आशीर्वाद होम के सहयोग से आजीविका सृजन में वनोत्पाद/लाह की भूमिका विषय पर ग्रामीणों, नि:शक्त महिलाओं के साथ संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमे रामगढ़ के प्रसिद्ध व्यावसायी एवं प्रांतीय उपाध्यक्ष लघु उद्योग भारती के विजय मेवार मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित रहें।

दिव्यांग नि:शक्त आशीर्वाद होम की सचिव मुन्नी देवी ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में महिलाओं को प्रशिक्षण से लाभ लेने की अपील की। मुख्य अतिथि श्री मेवार ने इस तरह के प्रशिक्षण से ग्रामीणों, असहायों में आजीविका सृजन के स्रोतों को सामने लाने के लिए वन उत्पादकता संस्थान के निदेशक डा. नितिन कुलकर्णी के साथ साद उपस्थित प्रशिक्षक दल को धन्यवाद दिया तथा ग्रामीणों से अपील की कि छोटे-छोटे उद्योगों में कौषल हासिल कर बड़ी उपलब्धि हासिल की जा सकती है।

संस्थान के श्री एस.एन.वैद्य ने फ्लेमेंजिया सेमियालता पौधा पर लाह खेती कर जीविकोपार्जन के उपायों को विस्तार से बताया। उन्होने पलास, कुसुम, बैर की अपेक्षा फ्लेमेंजिया सेमियालता पर महिलाओं एवं नि:शक्त द्वारा भी लाह खेती कर आमदनी प्राप्त की जा सकती है। श्री निसार आलम ने वनोत्पाद के विशाल बाजार, एलोवेरा से जीविकोपार्जन को बताया।

श्री बी.डी.पंडित, तकनीकी अधिकारी ने विभिन्न वनोत्पाद का संग्रहण, भंडारण एवं मूल्यवर्धन के विषय में बताया। उन्होने बताया कि झारखंड में वनोत्पाद की असीम संभावनाए है लेकिन इसके लिए वनों का संरक्षण भी आवश्यक है। विभिन्न उत्पाद जैसे आंवला, हर्रे, बहेरा, सतावर, गोंद आदि का संग्रहण कर त्रिफला, आंवला मुरब्बा, आंवला आचार जैसे अनेक उत्पाद बनाकर जीविकोपार्जन किया जा सकता है। मधु पालन, जैविक खाद निर्माण तथा मशरुम की खेती आदि के तरीकों को बताते हुए इसे आजीविका सृजन का सफल माध्यम बताया। इस तरह के छोटे-छोटे कुटीर उद्योगों में वन उत्पादकता संस्थान हर संभव तकनीकी सहायता कर सकती है। विशिष्ट अतिथि श्री अनिल गोयल समाज सेवी ने इस तरह के कार्यक्रमों को ग्रामीणों के हित में बताया।

श्रीमती मुन्नी देवी सचिव दिव्यांग नि:शक्ता आशीर्वाद होम के सचिव के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम की समाप्ति हुई। इस संगोष्ठी में लगभग 35 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां